



समन्वय अनुबंध  
(MEMORANDUM OF UNDERSTANDING)

महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे संचलित  
हिंदी प्रचार केंद्र, कोल्हापुर - 416012

तथा

रयत शिक्षण संस्था, सातारा संचलित कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव

ता. खटाव, जि. सातारा

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अमिता, राष्ट्रीय एकता और आंतरप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा की नितांत आवश्यकता है। सदियों से हिंदी यह कार्य करती आयी है। महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे यह संस्था महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार- प्रसार करनेवाली एक अग्रसर समाजसेवी संस्था है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की प्रेरणा से 22 मई, 1937 को इस समाजसेवी संस्था की स्थापना हुई। महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, साहित्यिक, भौतिक प्रवृत्तियों का संचालन करनेवाली संस्था राष्ट्रीय एकात्मता का सराहनीय कार्य कर रही है। यह संस्था "हिंदी पढ़ो आगे बढ़ो-भारत जोड़ो" इस नारे को जनमानस पर अंकित कर रही है।

पद्मभूषण डॉ. कर्मवीर भाऊराव पाटील द्वारा स्थापित रयत शिक्षण संस्था, सातारा महाराष्ट्र की अग्रगण्य शैक्षिक संस्था है। रयत शिक्षण संस्था, सातारा का संचलित कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव, है। इस कॉलेज की स्थापना 1994 की है। नैक बेंगलोर द्वारा इस कॉलेज को B++ ग्रेड [CGPA 2.93] मिली है। कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव के हिंदी विभाग की भी एक गौरवशाली परंपरा है।

अतः महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे संचलित हिंदी प्रचार केंद्र, कोल्हापुर और रयत शिक्षण संस्था, सातारा संचलित कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव, ता. खटाव, जि. सातारा के बीच अनुबंध दि. 24/08/2022 को पाँच सालों के लिए समन्वय अनुबंध (सामंजस्य करार) हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश्य निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

1. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वे भाग के 343 वीं धारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि के प्रचार-प्रसार और विकास में सहायता प्रदान करना।
2. एक दूसरे के पास के ज्ञान स्तोरों का आदान प्रदान करना।
3. हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना।
4. भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रूप से मराठी भाषा के द्वारा हिंदी के विकास में सहायता प्रदान कर राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करना।

1. स्व आर्थिक व्यय से एक-दूसरे को सहयोग देना।
2. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव हिंदी विभाग द्वारा होनेवाली अध्ययन यात्रा तथा संगोष्ठियों एवं कार्यशाला के आयोजन को महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे संचलित हिंदी प्रचार केंद्र, कोल्हापुर बौद्धिक सहायता करेगा।
3. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे, द्वारा प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका, मुखपत्र तथा मौलिक अनूदित ग्रंथ और साहित्यिक-सांस्कृतिक संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला, परिसंवाद, वक्तव्य, लेखन, पठन, कथन, मंचन प्रतियोगिताएँ आदि के आयोजन में कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव का हिंदी विभाग बौद्धिक सहायता करेगा।
4. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे द्वारा आयोजित राजभाषा हिंदी के अध्यापन में तथा परीक्षा संबंधी प्रावधान में कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव का हिंदी विभाग बौद्धिक सहायता करेगा।
5. समन्वय अनुबंध की बातों का आवश्यकतानुसार नूतनीकरण करना।
6. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनों में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।
7. परस्पर सम्मति से निर्धारित कालावधि के बाद फिर से पाँच सालों के लिए यह समन्वय अनुबंध जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित दिनांक तथा लिखित अनुमति की आवश्यकता रहेगी।

समन्वय :- प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे संचलित हिंदी प्रचार केंद्र, कोल्हापुर (कोल्हापुर विभागीय समिति) के अध्यक्ष तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य तथा विभाग प्रमुख कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव, ता. खटाव, जि. सातारा रहेंगे। प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानून प्रावधानों के साथ दो प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है। उपर्युक्त समन्वय अनुबंध मान्य है।

श्री. डॉ. राजेंद्र भोसले  
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,  
कला व वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव



श्री. राजेंद्र भोसले  
Principal  
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पुसेगाव  
Arts and Commerce College  
Pusegaon, Tal. Khatav, Dist. Satara

सातारा जिला हिंदी अध्यापक मंडल,  
राष्ट्रभाषा भवन, सभाजीनगर, सातारा.